सत्संग से ही आता है मनुष्य के जीवन में दिव्य परिवर्तन : वंदना श्रीजी

इंदौर • इंदौर संकेत प्रतिनिधि

जीवन में हर व्यक्ति सद्गुण प्राप्त करना चाहिए,कथा श्रवण करने से प्रत्येक मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं,जहां भागवत विराजमान होती है वो वृंदावन धाम बन जाता है,भागवत मनुष्य का कल्याण करती हैं,जीवन में भौतिक प्रगति व आध्यात्मिक उन्नति भी होना चाहिए, काम क्रोध लोभ से मनुष्य ही बना है,व्यक्ति को अच्छा बनने के लिए मेहनत करना चाहिए, सत्कर्म के मार्ग पर ही चलें,जो कर्म परायण बनता है वो मोक्ष की प्राप्ति करता है,सत्संग से जीवन में दिव्य परिवर्तन आता है,जो व्यक्ति धर्म के पथ पर नहीं चलता है तब तक उसका कल्याण नहीं होता है इसलिए धर्म के मार्ग पर चले।